

प्रेषक,

आर. के. सुधांशु,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, नैनीताल।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून : दिनांक ०५ जनवरी, 2015

विषय: प्रशिक्षण विभाग हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक की वित्तीय स्वीकृतियाँ निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या: 7836-37/डीटीईयू/भवन/0450/ऊखीमठ/14, दिनांक 14 दिसम्बर, 2014 द्वारा अवगत कराया गया कि रा0औ0प्रशि0संस्थान, ऊखीमठ में भू-हस्तान्तरण प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा सशर्त सैद्धान्तिक स्वीकृति प्राप्त हुयी है तथा रा0औ0प्र0 संस्थान, ऊखीमठ, जनपद रुद्रप्रयाग के भवन निर्माण हेतु वन विभाग के पक्ष में रू0 13,22,299.64 (रूपया तेरह लाख बाईस हजार दो सौ निन्यानब्बे एवं चौसठ पैसे मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने अथवा शासन/विभागीय स्तर से आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से Copensatory Afforestation Fund, (CAF) Uttaranchal SB A/C No 037100101025229 कॉरपोशन बैंक, लोधी शाखा, नई दिल्ली में जमा कराये जाने का अनुरोध किया गया है। वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 318/XXVII(1)/2014, दिनांक 18 मार्च, 2014 तथा शासनादेश संख्या: 1055/XXVII(1)/2014, 30 दिसम्बर, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपरोक्त कार्य हेतु श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में प्रशिक्षण विभाग की अनुदान संख्या-16 के अधीन अवचनबद्ध मदों के आयोजनागत पक्ष में रू0 13,22,299.64 (रूपया तेरह लाख बाईस हजार दो सौ निन्यानब्बे एवं चौसठ पैसे मात्र) की धनराशि अधोलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखते हुये व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 2- अवचनबद्ध मदों के अन्तर्गत उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय उपरोक्त आवश्यकता के अन्तर्गत कार्य पूर्ति हेतु ही किया जायेगा तथा अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि का कदापि व्यय नहीं किया जायेगा।
- 3- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों, अधिकारों के प्रतिनिधायन, वित्तीय नियमों, अधिप्राप्त नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों

के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

- 4- किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारी प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 5- अनुदानों को विभागवार एवं विभागाध्यक्षवार तैयार करने के कारण एक ही लेखाशीर्षक अनेक अनुदानों के अन्तर्गत प्रदर्शित होता है जिसके फलस्वरूप महालेखाकार के कार्यालय में व्यय को सही लेखाशीर्षक/अनुदान के अन्तर्गत पुस्तांकित करने में कठिनाई होती है और सुसंगत लेखाशीर्षक/अनुदान के अधीन त्रुटि रह जाने की सम्भावना बनी रहती है। इस हेतु आवश्यक है कि सभी वित्तीय स्वीकृतियां शासनादेश संख्या बी-2-2337/97 दिनांक 21 नवम्बर, 1997 के प्रारूप में सही लेखाशीर्षक इंगित करते हुये ही निर्गत की जाय, जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये, उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाये।
- 6- बजट नियंत्रक अधिकारी बी0एम0-17 पर आवंटन सम्बन्धी विवरण तथा आवंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण-वितरण अधिकारियों को बजट आवंटन तथा जिस अधिकारी का नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागारों में परिचालित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत की धनराशियां पूर्व निर्गत शासनादेशों के क्रम में जारी किया जाय अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा जिसके लिये सम्बन्धित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।
- 7- विभाग में स्वीकृतियों एवं उसके सापेक्ष व्यय का रजिस्टर रखा जाय एवं प्रत्येक माह में स्वीकृति/व्यय सम्बन्धी सूचना शासनादेशों की प्रतियां सहित वित्त एवं नियोजन विभाग को उपलब्ध करायी जाय।
- 8- बजट मैनुअल पैरा-88 में इंगित किया गया है नियंत्रक अधिकारी या विभागाध्यक्ष, जैसी भी स्थिति हो इस बात को सुनिश्चित करने हेतु उत्तरदायी होंगे कि वित्तीय स्वीकृतियों के समक्ष व्यय के अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि किसी मामले में सीमाधिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे तत्काल शासन के संज्ञान में लाया जाय। बी0एम0-13 पर नियमित रूप से सूचना विलम्बतः 15 तारीख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध करायी जाय। बजट मैनुअल के विभिन्न प्रपत्रों से भेजी जाने वाली सूचना समय से भेजा जाना सुनिश्चित किया जाय।

- 9- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृति कार्य पर ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-16(आयोजनागत पक्ष) के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2230-03-003-03- के मानक मद 42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेंगा।

यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 318/XXVII(1)/2014, दिनांक 18 मार्च, 2014 तथा शासनादेश संख्या: 1055/XXVII(1)/2014, 30 दिसम्बर, 2014 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(आर. के. सुधांशु)
सचिव।

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड ऑबेरॉय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल एवं कुमाऊं मण्डल उत्तराखण्ड।
3. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
5. प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रूद्रप्रयाग।
6. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-5 उत्तराखण्ड शासन।
7. नियोजन अनुभाग उत्तराखण्ड शासन।
8. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून।
9. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(अनूप कुमार मिश्रा)
अनुसचिव।